रोहतास महिला महाविद्यालय, सासाराम

अध्ययन सामग्री : संस्कृत, स्नातक 2
पत्र : द्वितीय

डॉ० सावित्री सिंह,
संस्कृत विभाग,
रो० म० का० सासाराम

Date :
13.07.2020

Topic : शुकनासोपदेश के आधार पर राजाओं का चरित्र चित्रण

राजाओं के चरित्र का वर्णन करते हुए महामंत्री शुकनास कहते हैं कि जिस प्रकार नेत्ररोग से पीड़ित व्यक्ति तेजोयुक्त पदार्थ को नहीं देख पाते हैं उसी प्रकार अति क्रुद्ध नेत्रों वाले राजा लोग उपदेश तेजस्वी पुरुष को नहीं देखते हैं। इतना ही नहीं जिस प्रकार भयंकर साँप से काटे हुए लोग मन्त्रोपचार (झाड़फूँक) से होश में नहीं आते हैं उसी प्रकार सुखोपभोग करने वाले राजा अच्छी मन्त्रणाओं से भी सजग नहीं होते हैं। जिस प्रकार लाख से बने आभूषण गर्म पदार्थ को सहन नहीं करते - पिघल जाते हैं उसी प्रकार राजा भी तेजस्वी पुरुष को सहन नहीं करते हैं।

उपकुपितलोचना इव तेजस्विनो नेक्षन्ते। कालदष्टा इव महामन्त्रैरपि न प्रतिबुध्यन्ते। जातुषाभरणानीव सोष्माणं न सहन्ते।

दुष्टवारणा इव महामानस्तम्भनिश्चली-कृता: न गृह्णन्ति उपदेशम्। तृष्णाविषमूर्च्छिता: कनकमयमिव सर्वं पश्यन्ति।

राजा लोग विशाल खम्भे से बँधे हाथी के समान महान् अभिमान से निश्चल बने हुए उपदेश को ग्रहण नहीं करते हैं। वे तृष्णा रूपी विष से बेहोश किये हुए सब कुछ स्वर्णमय ही देखते हैं। इतना ही नहीं-

इषव इव पानवर्द्धिततैक्ष्ण्याः परप्रेरिता विनाशयन्ति।
दूरस्थितान्यपि फलानीव दण्डविक्षेपैर्महाकुलानि शातयन्ति।

जिस प्रकार शान पर चढ़े हुए पैने बाण लक्ष्य को नष्ट कर देते हैं। उसी प्रकार मद्यपान से अति तीक्ष्ण बने हुए राजा दूसरों की प्रेरणाओं से प्रजा का विनाश कर देते हैं। जिस प्रकार लोग दूर लगे हुए फल समूह को दण्डे के प्रहारों से गिरा देते हैं, उसी प्रकार राजा लोग कर आदि के दण्ड से दूर होते हुए भी महान् कुलों को नष्ट कर देते हैं।

अकालकुसुमप्रसवा इव मनोहराकृतयोऽपि लोकविनाशहेतवः श्मशानाग्नय इवातिरौद्रभूतयः। तैमिरिका इवाऽदूरदर्शिनः। उपसृष्टा इव क्षुद्राधिष्ठितभवनाः, श्रूयमाणा अपि प्रेतपटहा इवोद्वेजयन्ति, चिन्त्यमाना अपि महापातकाध्यवसाया इवोपद्रवमुपजनयन्ति।

राजाओं की आकृति मनोहर होती है फिर भी असमय में अकाल काल में खिलने वाले फूलों के समान वे लोकविनाश के कारण होते हैं। वे श्मशान की अग्नि के समान अति भयानक विभूति (भस्म या वैभव) वाले और मोतियाबिंद रोग से ग्रसित पुरुषों के समान अदूरदर्शी होते हैं।